

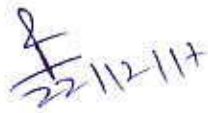


न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

वलराम कोडरी

बनाम लेखन कोडरी वगैरह

दि/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
2-17	<p>अभिलेख सं०-एम.....170.../2017 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रगारी खीनापड के अप्राथमिकी सं०-प.6/17 दिनांक-27/11/17 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि पैतृक भूमि के बतवार को लेकर इमत्र विवाद को लेकर उभय पक्ष में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रु० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि <u>22-12-17</u> को उपस्थापित करें।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="text-align: center;">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> <div style="text-align: center;">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> </div> <p style="margin-top: 20px;">अभिलेख उपस्थापित । प्रथम पक्ष उपस्थित द्वितीय पक्ष क्रमांक 01, 03, 06, 07 उपस्थित अन्य उपस्थित दिनांक 19-01-18 को 22/12/17</p> <div style="text-align: right; margin-top: 20px;">  22/12/17 </div>	

12-17

आदेश एवं दण्डाधिकारी का हस्ताक्षर

दिनांक

25-06-18

आभिलेखा उपस्थापित। उमय
पत्र अनुपस्थित। दिनांक 20-07-18
को रखे।

१
25/6/18

20-07-18

आभिलेखा उपस्थापित। पुनः नोटीस
का मामला प्राप्त। उमय पत्र अनुपस्थित
दिनांक 06-08-18 को रखे।

१
20/7/18

06-08-18

आभिलेखा उपस्थापित। उमय पत्र
अनुपस्थित। उक्त वाद में उमय पत्र
एवं दिनांक पत्र के प (न्या.) सदस्य न्यायालय
में उपस्थित हुए। बाद में उमय पत्र
के द्वारा न्यायालय में उपस्थित दर्ज कराना
वन्द कर दिया गया। उमय पत्र को पुनः
नोटीस निर्गत किया गया किन्तु नोटीस

दि

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

का लामिला प्राप्त होने के बाद भी समय
 पर न्यायालय के उपरीपत्र नहीं हुए। समय
 पर बाद में शक्ति नहीं ले रहे हैं इससे
 प्रतिक होगा है कि वर्तमान में समय पर
 में शक्ति संग होने की संभावना नहीं है।
 व्याना प्रमोदी। सु.चि. राय भी न्यायालय
 की शक्ति संग होने का कोई उल्लेख प्राप्त
 नहीं है।

अतः उक्त बाद में आभिलेख की
 कारवाही बन्द की जाती है।

लेखापत्र एवं संगीयत

कार्यपालक दफ्तरीय
 सुपु. (रांची)

कार्यपालक दफ्तरीय
 सुपु. (रांची)